वी०आईपी० सुरक्षा सी०आई० एस० एफ० की तैनाती पर आपत्ति

5512. **श्री अनन्तराम जायसवाल :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 20 अप्रैल 1995 के "दैनिक जागरण" में "सी०आई०एस०एफ० को वी०आई०पी० की सुरक्षा में लगाने पर आपत्ति" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या निर्णय लिये जाने की संभावना है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जी हां श्रीमान ।

(ख) दिल्ली पुलिस में कार्मिकों की कमी के कारण दिल्ली पुलिस अति विशिष्ट व्यक्तियों/बहुत अति विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा ड्यूटियों के लिए आन्तरिक सुरक्षा ड्यूटियों के लिए उनके निष्पादन पर रखी गयी केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की कम्पनियों की सेवाओं का प्रयोग कर रही है । यह एक अस्थायी व्यवस्था है ।

Letter written by MPs to the Ministry of Home Affairs

5513. MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of letters written by the Members of Parliament to the Ministry during the period from the 1st April, 1994 to 31st March 1995;

(b) what is the number of letters acknowledged out of them;

(c) what is the number of letters in respect of which final replies were sent; and

(d) what is the break-up of final letters issued by the Ministry containing positive and negative replies, respectively?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): (a) to (d) 4886 letters were received from Members of Parliament during the period from 1st April, 1994 to 31st March, 1995. In addition, 2221 letters from Members of Parliment pending at the end of the previous year were carried forward, thereby making a total of 7107 letters for disposal during the year 1994-95. Final replies were sent to 6702 letters. The remaining 405 letters were still pending as on 31st March, 1995. As a rule, all letters from Members of Parliament are acknowledged immediately. Final replies sent depend on the circumstances of each case and it is not possible to classify them as positive or negative.

कुकिंग गैस कनेक्शन जारी करने में विलम्ब

5514. **श्री राघवजी** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में राज्य वार उन आवेदकों की संख्या कितनी है जिन्हें कुकिंग गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए आवेदन दिये पांच वर्ष से अधिक हो गये हैं ;

(ख) उन आवेदनों को कनेक्शन देने में विलम्ब के क्या कारण हैं ; और

(ग) ऐसे आवेदकों को कनेक्शन कब तक प्रदान कर दिये जायेंगे ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) एक विवरण संलग्न है **(नीचे देखिए)**

(ख) और (ग) राष्ट्र स्तर पर कुल नए उपभोक्ता नामांकन राज्य में डिस्ट्रीब्यूटर के पास उपलब्ध स्लेक और प्रतीक्षा सूचियों के